MUNI INTERNATIONAL SCHOOL

WHO IS WINNER

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION

कौन सफल हुआ –

मीडिया, संवेदना

या

आपकी सोच, आपके संस्कार ???

EVERY HUMAN BEING = MOVING BOMB - CAUGHT CRIMINALS, REST ARE .....???

- Dirty Locker Room in Delhi….???
- Ryan School Murder Case….???
- Shootout in School in America….???
- 13 year old girl pregnant in England…???

Can we stop such crimes against human being by agencies, police, forces, intelligence….???.....NO

WE CAN SOLVE IT SIMPLY BY **EDUCATION**.

Are we giving it…??

No, we are teaching math, sci, sst, presentation, solving problem & these all.

शरीर से पाया हुआ सुख कभी तृप्ति नहीं दे सकता क्योंकि उसका फुटप्रिंट नहीं होता, सिर्फ कल्पना मात्र होती है। इसी भ्रम के कारण आदमी बहुभोग व अतिभोग करता है।

संवेदनाये - माध्यम है लक्ष्य नहीं।

इच्छाओं की तृप्ति सिर्फ अध्ययन व समझने से होती है न की सिर्फ भोगने से या त्यागने से।

अभाव से तृप्ति की चाहना

- **काम** - संवेदनाओ से तृप्ति
- **लोभ** - दूसरों से सिर्फ अपना फायदा चाहना
- **मोह** - संबंधों से फायदा
- **क्रोध** - काम, लोभ, मोह के पूरा न होने पर अतृप्ति का प्रदर्शन
- **मत्सर** - काम, लोभ, मोह पूरा न होने पर जान लेने और देने पर उतारू होना

प्रत्येक मानव निरंतर सुखी होना चाहता है

किन्तु

माता-पिता – तर्क नहीं है

सम्बन्धियों - तर्क नहीं है

समाज - तर्क नहीं है

बच्चा कल्पनाशील व ऊर्जावान है और एक्शन चाहता है।

जब तक सही का पता नहीं होगा, गलती का अवसर रहेगा ही।

कहीं इन अपराधों का एक कारण यह भी तो नहीं की हमने शब्दों के अर्थ क्रिया के रूप में स्पष्ट नहीं किए जैसे प्रेम .... ?

पश्चिम के लिए प्रेम शरीर सम्बन्ध से है तो पूर्व में रहस्य.....

अर्थहीन शब्दों से भ्रम ही पलता रहा।

GENTLEMAN IN WESTERN WORLD – TIE, SUIT & BOOT - रिश्तों की गड़बड़ी

GENTLEMAN IN EASTERN WORLD – WITH लंगोट - फिर भी ब्रह्मचारी आश्रम में महिलाओं की मनाही।

हमने दिमाग में समझ रुपी टाई लगाई।

Solution of Present Problem

अगर मेरा बच्चा बिगड़ रहा है तो सिर्फ मेरी जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है, उसको सुधारने का काम सगे-सम्बन्धियों का, समाज का है न की पुलिस का....
क्योंकि उनके पास सजा का प्रावधान है सुधारने का नहीं।

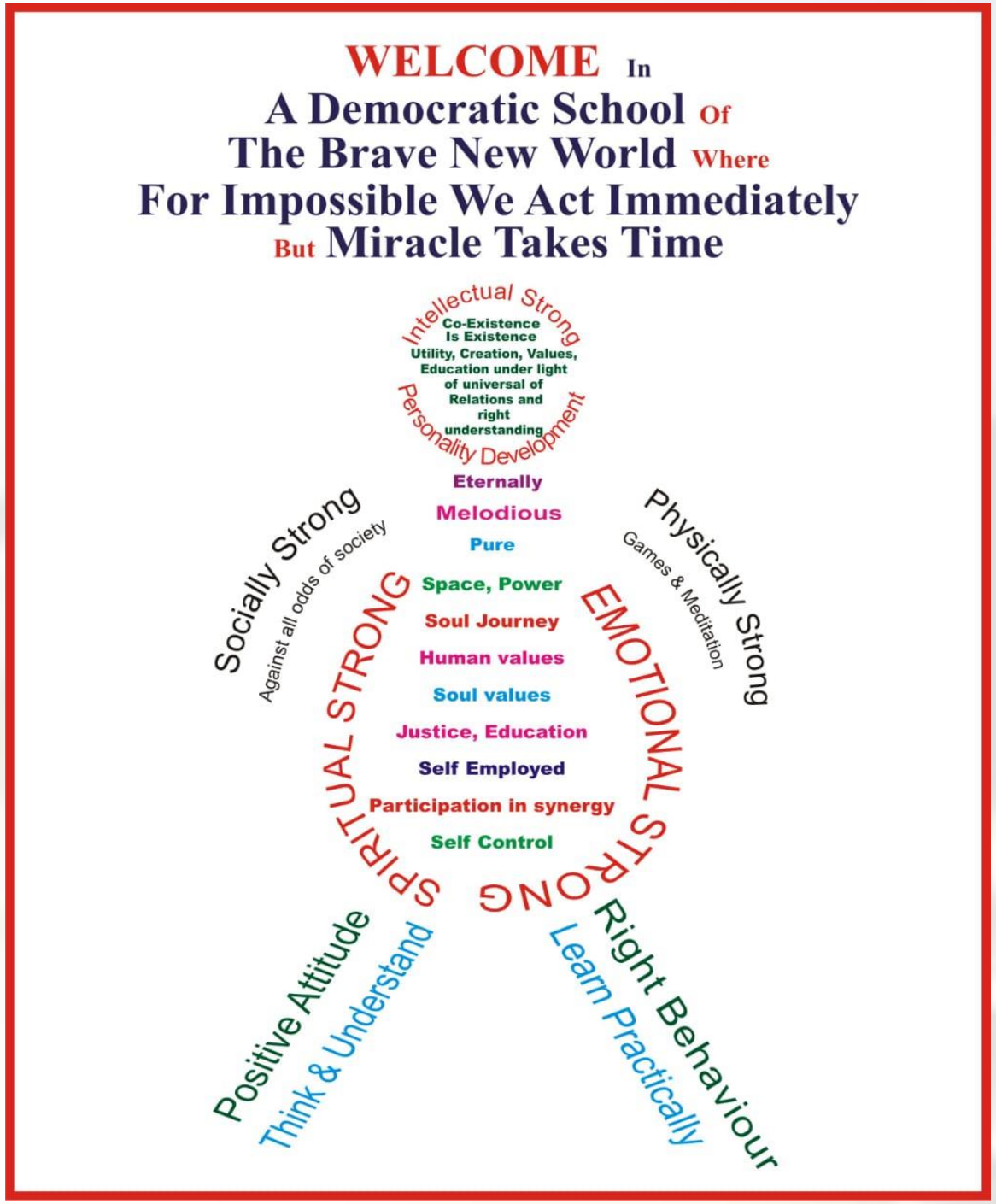

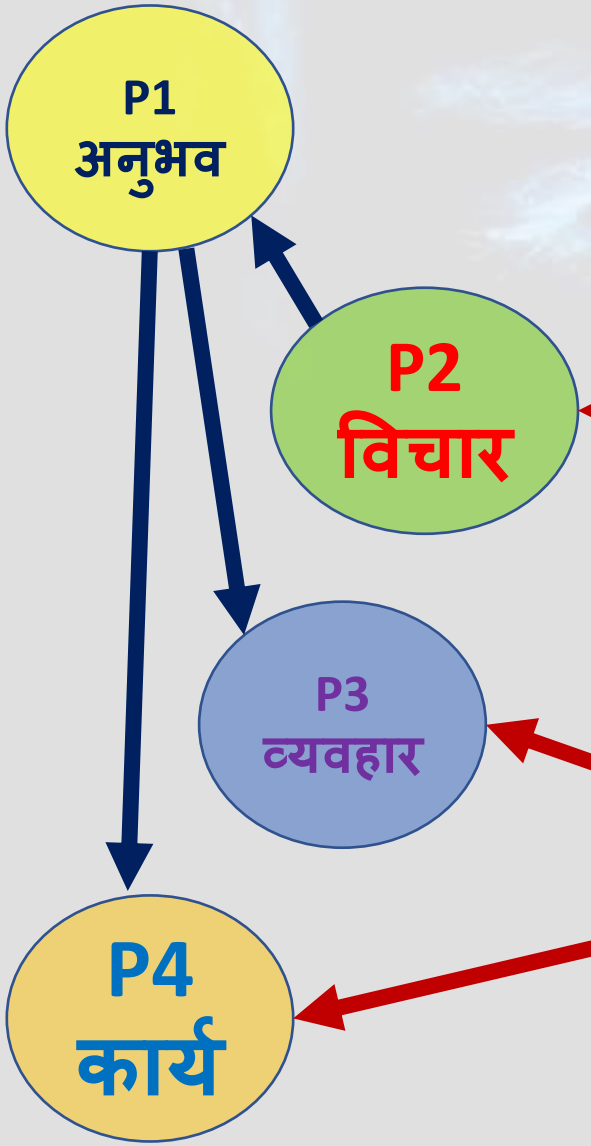

Muni International School works only on P2.
P2 strengthen P1 then P3 and P4.

MODERN EDUCATION
99.9% of schools & collages are working on P3 and P4.

बच्चों को स्वयं की पहचान कराने से गलती की संभावनाएं बहुत कम हो गई है।

स्वयं को शरीर से अलग इकाई के रूप में जानने से (शरीर से स्वयं को कभी सुखी नहीं कर सकते।)

- सामान से सम्मान की बजाय उपयोगिता से सम्मान
- साधन से सुख की बजाय समाधान = सुख
- संबंधों से इच्छा पूर्ति के बजाय भावपूर्ति

मुनि स्कूल ने अनुशासन को स्वानुशासन बनाया

- The electricity bill for school and children's home was reduced qualitatively,
- School resources are conserved,
- The students do not allow their ideological differences to become discriminatory and they find their way out on their own
- A lot of things got organized.

DUE TO MUNI SCHOOL SYSTEM

- Students are Happy, stress & anxiety free,
- Know to live in Co-existence with Complementarity and Utility,
- Take the responsibility of self, buddy & community,
- Critical thinker with different perspective
- Global Citizen with Universal Order
- They live beyond body.

MUNI INTERNATIONAL SCHOOL
AIKLAVYA
We refuse to accept limitation

यदि मानव अध्ययन के बाद ब्रांड बन गया तो पड़ोसी की गाड़ी और पड़ोसन की साड़ी परेशान नहीं करते।

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION